

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	फाल्गुन 07, सोमवार, शके 1945-फरवरी 26, 2024 <i>Phalguna 07 Monday, Saka 1945- February 26, 2024</i>	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आजायें।

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, जनवरी 30, 2024

संख्या प. 2(22)वन/2023 :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन-भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा उनके किसी अंश की स्वत्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन-भूमि तथा बंजर भूमि को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29 उप धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा अथवा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार के लेखबद्व नहीं किये गये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में अथवा उन पर सरकारी या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्व किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुँचने की आशंका है,

इसलिये अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 (1953 की एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर/असिस्टेंट फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में या उन पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्व करने हेतु नियुक्त करती है, तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साक्ष्य उसी प्रणाली से किया जायेगा जैसाकि उक्त एक्ट की धारा 6,7,8,10,11 (1) 12,13,14,17 तथा 19 में प्रवाहित है।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन-भूमि और बंजर-भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है, परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनु सूची में अंकित किये गये हैं, राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) हैं और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उनसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का

कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,

विशिष्ट शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

प्रथम अनुसूची

क्र.सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण		
					ग्राम	खसरा नं.	रकबा (हैक्टर में)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	मेनाल (एफ.सी.ए.- टोल प्लाजा) रेंज -माण्डलगढ़	बेगू	चित्तोड़गढ़	उत्तर- आराजी नं. 215/167 वनखण्ड नयानगर	मेनाल	285/167	1.083
				पूर्व- आराजी नं. 167 मी.			
				पश्चिम आराजी नं. 167 मी.			
				दक्षिण-आराजी नं. 167 मी.			
					वनखण्ड का योग	किता &1	1.083

(वीर सिंह)

उप वन संरक्षक, भीलवाड़ा

(विजय शंकर पाण्डेय)

उप वन संरक्षक, चित्तौड़गढ़

(दशरथ सिंह राठौड़)

क्षेत्रीय वन अधिकारी, माण्डलगढ़

वनखण्ड मेनाल (एफ.सी.ए.-टोल प्लाजा)

रेंज - मउण्डलगढ़

वन मंडल - भीलवाड़ा

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

क्र.सं.	वानस्पतिक नाम	हिन्दी नाम
1	Acacia Leucophloea	रोंझ
2	Acacia nilotica	देशी बबूल
3	Azadirachta indica	नीम
4	Zizyphus nummularia	झड़ बेरी
5	Acacia catechu	खेर
6	Anogeissus pendula Edgew	काला धोकड़ा
7	Butea monosperma	ढाक

(वीर सिंह)

उप वन संरक्षक, भीलवाड़ा

(विजय शंकर पाण्डेय)

उप वन संरक्षक, चित्तौड़गढ़

(दशरथ सिंह राठौड़)

क्षेत्रीय वन अधिकारी, माण्डलगढ़

परिषिष्ट - क

**प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक, द्वारा प्रमाण पत्र
(जो लागू नहीं होता है उसे काटे)**

वनखण्ड - मेनाल (एफ.सी.ए. टोल प्लाजा)

रेंज - माण्डलगढ़

वन मण्डल - भीलवाड़ा

1. संलग्न प्रारूप में दर्शायी गई भूमि का वर्गीकरण पहाड़। जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 7 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरों का विवरण दर्शाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वनखण्ड मेनाल के नाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य कराना है। इसमें वर्तमान में कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है।
3. भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्रों में 0.2 से 0.3 है तथा कुछ क्षेत्रों में नगण्य है। इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों रोड़, झड बेरी, बबूल, काला धोकड़ा का लगभग प्रतिशत 30 क्रमशः है, तथा कुछ क्षेत्रों में घनत्व नगण्य है।
4. समीपवर्ती स्थित क्षेत्र वनभूमि है व बिलानाम भूमि तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम संख्या 5 में कर दिया गया है।
5. वनखण्डों के वांछित मानचित्र (नक्षे) संलग्न है एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्षों में लाल स्याही से इंगित किया गया है।
6. प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथाविधि पूर्ण में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं, किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है।
7. उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

(वीर सिंह)

उप वन संरक्षक, भीलवाड़ा

(विजय शंकर पाण्डेय)

उप वन संरक्षक, चित्तौड़गढ़

(दशरथ सिंह राठौड़)

क्षेत्रीय वन अधिकारी, माण्डलगढ़

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।